भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1587
जिसका उत्तर 4 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है।
13अग्रहायण, 1946 (शक)

जनजातीय युवाओं की डिजिटल साक्षरता दर

1587.श्री बिप्लब कुमार देबः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या जनजातीय युवाओं में इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी में साक्षरता दर अन्य की तुलना में सबसे कम है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार विशेष रूप से त्रिपुरा में जनजातीय आबादी पर विशेष ध्यान देने के साथ डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए एक योजना शुरू करने पर विचार कर रही है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (घ): 2011 कीजनगणनाकेअनुसार, भारतमेंअनुसूचितजनजाति (एसटी) कीआबादी 10.43 करोड़है, जोकुलआबादीका 8.6% औरग्रामीणआबादीका 11.3% है।एमईआईटीवाईकीप्रधानमंत्रीग्रामीणडिजिटलसाक्षरताअभियान (पीएमजीदिशा) योजनाकाउद्देश्यग्रामीणभारतमेंडिजिटलसाक्षरताकोबढ़ावादेनाथा।इसयोजनाकेतहत, 31 मार्च, 2024 तकदेशभरमें 6.39 करोड़व्यक्तियोंकोप्रशिक्षितकियागया, जबकिलक्ष्य 6 करोड़काथा।यहयोजनासमाप्तहोचुकीहै।

राष्ट्रीयनमूनासर्वेक्षणकार्यालय (एनएसएसओ) नेअपने 79 वेंदौर (जुलाई, 2022 सेजून, 2023) में 'व्यापकवार्षिकमॉड्यूलरसर्वेक्षण' (सीएएमएस) आयोजितकियाऔरउनकीरिपोर्टकेआंकड़ोंनेइंटरनेटपहुंच, स्मार्टफोनकेउपयोगजैसे
डिजिटलजुड़ावकेमाध्यमसेग्रामीणऔरशहरीदोनोंक्षेत्रोंमेंडिजिटलसाक्षरतामेंमहत्वपूर्णसकारात्मकप्रवृत्तिकासंकेतदिया।

त्रिपुराराज्यमेंपीएमजीदिशायोजनाकेतहतकुल 82,301 अनुसूचितजनजातिकेउम्मीदवारोंकोनामांकितकियागयाऔर 65,174 उम्मीदवारोंकोप्रशिक्षितकियागया।

****